Hindi Murli Quiz 20-07-2015

.

Q.1) **साधना बीज है और _____ उसका विस्तार है। विस्तार में साधना को छिपा नहीं देना।**

- साधन
- sadhan
- saadhan
- sadhn
- sadhen
- saadhen
- saadhn

Q.2) **Match the following**

	Choice	Match
A	जो पाण्डवों की गुफायें दिखाते हैं-	वह यही अन्तर्मुखता की गुफायें हैं |
B	जितना-देह से न्यारे, देही रूप में स्थित होने की गुफा में रहते हो	उतना दुनिया के वातावरण से परे हो जाते हो, वातावरण के प्रभाव में नहीं आते।
C	जैसे गुफा के अन्दर रहने से बाहर के वातावरण से परे हो जाते हैं,	ऐसे यह अन्तर्मुखता की गुफा भी सबसे न्यारा और बाप का प्यारा बना देती है।
D	और जो बाप का प्यारा है	वह स्वतः सबसे न्यारा हो जाता है।

Q.3) **कृष्ण को देख बहुत खुश होते हैं। भारत का लार्ड कृष्णा है। बच्चियां भी कृष्ण को बहुत प्यार करती हैं। इन जैसा पति मिले, इन जैसा बच्चा मिले। कृष्ण में कशिश बहुत है। सतोप्रधान है ना।**

A. (●) True
B. ( ) False

Q.4) **इनमें से सही वाक्यों का चयन करें -**

A. [x] सत्य बोलने वाला एक बाप है, इस संगम पर पुरुषार्थी बनने के लिए यह एक ही सत का संग होता है।
B. [x] भल आजकल कलियुग है, भाई-बहन भी खराब हो पड़ते हैं। परन्तु लॉ मुजीब भाई-बहन के बुरे ख्यालात नहीं रहेंगे।
C. [ ] यह देखने में आता है कि हम आत्मा हैं।
D. [x] तुम बच्चों को इस नॉलेज में बिजी रहना है। कर्मेन्द्रियाँ जो धोखा देती हैं, उनको भी वश में करना है।
E. [x] परमपिता परमात्मा बाप भी भाग्यशाली रथ अथवा भागीरथ में आते हैं। इस रथ को भी अपनी आत्मा है।

Explanation: यह समझने में आता है कि हम आत्मा हैं।

Q.5) **Match the following**

	Choice	Match
A	मुख्य हैं आंखें जो सब कुछ देखती हैं।	आंखें ही बच्चा देखती है तो कहती है यह हमारा बच्चा है।
B	वास्तव में कोई अंधे सूरदास हो तो ज्ञान को अच्छा उठा सकते हैं	क्योंकि धोखा देने वाली आंखें नहीं हैं।
C	मुख भी म्याऊं-म्याऊं तब करता है जब	आंखों से चीज़ देखते हैं तब दिल होती है यह खाऊं इसलिए कर्मेन्द्रियों पर जीत पानी है।
D	आत्मा अन्दर सुनती है, धारण करती है।	अन्दर निश्चय होता जाता है। यह बात तो बरोबर ठीक है।
E	बुद्धि से समझा जाता है-मैं आत्मा हूँ।	कई तो यह भी नहीं मानते, कह देते नेचर है।

Q.6) **तुम जितना याद करते रहेंगे तो सुख भी इतना फील होगा और तुम ट्रांसफर होते जायेंगे। तमो से रजो सतो में आते जायेंगे तो ताकत, खुशी, धारणा बढ़ती जायेगी। इस समय तुम्हारी चढ़ती कला है। सिक्ख लोग गाते भी हैं तेरे भाने सर्व का भला। तुम जानते हो अभी हमारी चढ़ती कला होती है याद से। जितना याद करेंगे उतना ऊंच चढ़ती कला होगी। सम्पूर्ण बनना है ना। चन्द्रमा की भी लकीर रह जाती है फिर कला बढ़ते- बढ़ते सम्पूर्ण बन जाता है।**

A. ( ) False
B. (●) True

Q.7) **Match the following**

	Choice	Match
A	न दूरदेश की रहने वाली आत्मा देखने में आती है	न दूरदेश में रहने वाला परमात्मा देखने में आता है।

B	बाप कहते हैं मैं भी ड्रामा प्लैन अनुसार अपने समय पर आकर शरीर धारण करता हूँ।	नहीं तो तुम मीठे-मीठे बच्चों को दु:ख से कैसे छुड़ाऊं।
C	बाप सब बातें तो ठीक समझाते हैं ना। ज्ञान मार्ग है ही सत्य।	सत्यम् शिवम् सुन्दरम् कहा जाता है ना। सत्य बोलने वाला एक बाप है, इस संगम पर पुरुषार्थी बनने के लिए यह एक ही सत का संग होता है।
D	सामने दुश्मन है माया। शिवबाबा है मित्र।	उनको कहा जाता है-पतियों का पति। यह महिमा कोई रावण की नहीं है।
E	संस्कृत सिखाओ, गीता सिखाओ। इसके लिए भी बहुत पैसे देते हैं।	बाप समझाते हैं बच्चे तुम कितना वेस्ट ऑफ टाइम, वेस्ट ऑफ मनी करते आये हो।

Q.8) **इनमें से गलत वाक्यों का चयन करें -**

A. ☐ बाबा फिर मुरली चलाते हैं-इससे तुम्हारी अवस्था ठीक नहीं रहेगी। भल मुरली बहुत अच्छी सुनाते, बहुतों को समझाते हैं परन्तु अवस्था नहीं है। बुरी दृष्टि हो जाती है।

B. ☐ अगर दिल होती है इनको हाथ लगायें, तो वह ब्रदर्ली लव निकल स्त्रीपने का क्रिमिनल लव हो जाता है।

C. ☑ कृष्ण का इतना मान क्यों है? क्योंकि दिखाते हैं उसने गीता सुनाई |

D. ☑ पहले घर वाले फिर मित्र-सम्बन्धी आसपास वाले आने लगे। फिर सुनते-सुनते कितने आ जाते हैं। यह भी सतसंग है। इसमें कोई म्हणत नहीं |

E. ☑ मनुष्यों की बुद्धि में आता है कि प्रजापिता ब्रह्मा द्वारा सृष्टि कैसे रची।

Explanation: पहले घर वाले फिर मित्र-सम्बन्धी आसपास वाले आने लगे। फिर सुनते-सुनते कितने आ जाते हैं। समझते हैं यह भी सतसंग है। परन्तु इसमें है पवित्रता की मेहनत, जिससे ही हंगामा हुआ। कृष्ण का इतना मान क्यों है? क्योंकि छोटा बच्चा है ना। मनुष्यों की बुद्धि में यह बिल्कुल नहीं आता कि प्रजापिता ब्रह्मा द्वारा सृष्टि कैसे रची।